Date - 14.07.2020. BA-I, Paper-2
Topic - Pressure Groups.
Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol.Sc.), RMC, VKSU.

दबाव समूह की प्रकृति : (लक्षण)

1. सीमित उद्देश्य - इनका लक्ष्य एवं समस्त गतिविधियाँ इसी उद्देश्य तक सीमित रहती है।
2. औपचारिक या अनौपचारिक रूप से संगठित - PGs यह औपचारिक रूप से संगठित होते हैं, जैसे :- भारत में भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस एक औपचारिक संगठन है जबकि जाति एक बहुत अधिक शक्तिशाली लेकिन अनौपचारिक संगठन है।
3. सीमित एवं परस्पर व्यापी सदस्यता - वर्गीय हितों से संबंधित होते हैं। एक व्यक्ति एक ही समय पर अनेक PGs का सदस्य हो सकता है। जैसे :- जातिगत समूहों के, उपभोक्ता समूह के।
4. राजनीति और प्रशासन में परोक्ष भूमिका होती है - PGs पर्दे के पीछे रहकर राजनीति, राजनीतिक निर्णयों और प्रशासनिक कार्यों को निरंतर प्रभावित करने निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं। वे शासन से बाहर रहकर प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। व्यवहारिकता में दबाव समूह 'राजनीतिक क्रिया' अभिमुखी होते हैं।
5. अनिश्चित कार्यकाल - हित विशेष की पूर्ति के लिए अस्तित्व में आते हैं। PGs बनते और समाप्त होते रहते हैं।

Scanned with CamScanner

7. सर्वव्यापक प्रकृति - दबाव समूह सभी प्रकार की राजनीतिक व्यवस्थाओं में पाए जाते हैं सर्वाधिकारवादी और स्वेच्छाकारी राज-व्यवस्थाओं में भी दबाव समूह होते हैं

दबाव समूहों का स्वरूप किसी देश विशेष की सामाजिक और राजनीतिक विकास की स्थिति के अनुसार परिवर्तित होता रहता है

दबाव समूहों के दोष :- परंपरागत रूप से दबावों को हेय दृष्टि से देखा जाता रहा है यह कुछ विद्वानों का मानना है कि यह सार्वजनिक अनैतिकता और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है और सार्वजनिक हितों की उपेक्षा का कारण बनती है निम्न आधारों पर PGs की आलोचना की जाती है :-

1. अप्रजातांत्रिक - दबाव समूह परोक्ष रूप से राजनीतिक व्यवस्था में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हैं। उन्हें उन पर किसी भी प्रकार का उत्तरदायी नहीं होता है। राजनीतिक दलों को वोट न देकर उन्हें दंडित किया जा सकता है। अनुत्तरदायी रूप से राजनीतिक प्रभाव और शक्ति का प्रयोग किए जाने के कारण PGs को अप्रजातांत्रिक कहा जाता है।
2. संकीर्णता के प्रतीक - संकीर्ण दृष्टिकोण को जन्म देने और बढ़ाने का ही कार्य किया जाता है।
3. सार्वजनिक हितों की उपेक्षा - हितों को वरीयता दी जाती है। विविध दबाव समूहों के साधन, शक्ति और सदस्य संख्या में बहुत अंतर होता है इस कारण अधिक शक्तिशाली और साधन युक्त PGs सामूहिक दबाव डालकर अपनी अनुचित मांगें भी मनवा लेते हैं।
4. भ्रष्ट आचरण - V.O.K. के अनुसार 'दबाव शब्द का प्रयोग मस्तिष्क में एक ऐसे शैतान 'लाबिस्ट' का चित्र अंकित कर देता है जो उचित पथगामी विधायक को सार्वजनिक हित की धारणा से हटाने के लिए अनुचित दबाव डालने का प्रयास कर रहा है।"
5. अंतर्राष्ट्रीयता में बाधक - अंतर्राष्ट्रीय हितों को हानि पहुंचाने का आधार बन जाते हैं। eg. पश्चिमी देशों में शस्त्रों के निर्माण और उनके क्रय विक्रय को प्रोत्साहित करते

Scanned with CamScanner

करने वाले ऐसे कुछ दबाव समूह हैं जो अपने लाभ के लिए तनाव की स्थिति और युद्ध के वातावरण को बनाए रखने का प्रयत्न करते हैं।

दबाव समूहों की उपयोगिता -

दबाव समूह, लोकतांत्रिक विचार की जिसमें प्रत्येक को अपने हित रखने का अवसर देता है। जिससे राष्ट्रीय एकता को प्राप्त किया जा सकता है। शासन के लिए सूचना एकत्रित करता है जिससे जनता व शासन के बीच सूचना संपर्क की कड़ी बनता है।
मायनर वीनर दबाव समूह पर लिखते हैं " लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए इससे घातक और कुछ नहीं हो सकता कि राष्ट्रीय हित की ऐसी अवधारणा को अपनाया जाए जिसमें विशेष हितों की सौदेबाजी के अवसर, अपनी बात कहने और राजनीतिक प्रक्रिया की नीतियों तथा मांगों के प्रभाव में रचनात्मक भूमिका निभाने वाले से वंचित कर दिया जाया हो।" दबाव समूहों ने राजनीतिक व्यवस्था के अपरिहार्य तत्व की स्थिति को प्राप्त कर लिया है।

Scanned with CamScanner